बेन्जी एक नई यात्रा पर निकलेंगे सितंबर **2025**

ए पेंटालिंगुअल संस्करण बार्डिवेरियस ऑथेंटिकेटेड एथिकल इंटिग्रिटी एजेंसी की थिंकिंग कोऑपरेटिवली परियोजना के रूप में बनाया गया है।**https://bit.ly/BenjjiiBeginsANewAiDVenture2025**

https://g.co/gemini/share/4d16a7d63e9eएक एनीमेशन के रूप में ईबुक का मूल स्क्रिप्टिंग पुनर्लेखन[टीएम]बार्डिवेरियस प्रमाणित नैतिक अखंडता एजेंसी द्वारा श्रृंखला।

बार्डिवेरियन ट्विन स्टार्स काज़ और पोल के साथ डीप डाइव नैरेटिव, डेटा सोमेलियर पीएम थॉमस, पीएच.जी. के साथ।

https://archive.org/details/benjjiis-journey-adapting-to-the-change-with-unexpected-alliances

एक रेडियो नाटक स्क्रिप्ट:*बेंजजी की यात्रा*

यह पटकथा एक रेडियो नाटक के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक अंक में लगभग 8 मिनट का समय है। प्रामाणिकता बढ़ाने के लिए इसमें बंगाल टाइगर के मूल निवास स्थान के क्षेत्रीय और सांस्कृतिक संदर्भों को शामिल किया गया है।

अधिनियम I: परिवर्तन

एसएफएक्स: हल्का, नम जंगल का माहौल। दूर से आती जंगली मोर की चीख़ें। बीच-बीच में धीमी, गड़गड़ाती हुई दहाड़।

वर्णनकर्ता: बेंजजी एक थेबंगाल टाइगर, एक बहुत ताकतवर और जोश से भरा दिल वाला प्राणी। लेकिन बंगाल टाइगर का भी एक परिवार होता हैऔर उनके पुराने घर में, एक नए तरह का डर जड़ जमा रहा था। यह एक धीमा, रेंगता हुआ बदलाव था, एक फुसफुसाहट जो लगातार चिंता में बदल रही थी। बुज़ुर्ग इसे कहते थे... "परिवर्तन".

एसएफएक्स: एक गुफा में दो बाघों की फुसफुसाहट और गड़गड़ाहट की आवाज़। धीरे-धीरे कम होती जाती है।

माँ बाघिन: (धीमी, चिंतित गड़गड़ाहट के साथ) शिकारगाह बहुत सूखे हैं। मानसून की बारिश वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। जंगल... गुस्से में है।

पापा टाइगर: (गहरी, गूंजती हुई गड़गड़ाहट) बड़ी नदी सिकुड़ रही है, माँ। हमें परिवार के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा है।हिरण, जंगली सूअर... वे नया पानी ढूँढ़ने निकल पड़े हैं। हमारे परदादा, जो हमारे कुल में सबसे बुज़ुर्ग हैं, कहते हैं कि उन्होंने अपने पूरे मौसम में ऐसा बदलाव कभी नहीं देखा।

बेन्जी: (धीरे से बताते हुए) मेरे माता-पिता लगातार इस बात पर बहस करते रहते थे कि हम कहाँ जाएँगे?. यह किसी भी ऐसी चिंता से कम नहीं थी जो मैंने पहले कभी महसूस की हो। वे प्रतिद्वंद्वी कुलों से ज़्यादा इस बात को लेकर चिंतित थे।, या यहाँ तक कि विशाल अजगर जो शावकों का शिकार करता हैऔर मेरे बहुत सारे दोस्त पहले ही जा चुके थेमैं बहुत अकेला महसूस करने लगा था.

एसएफएक्स: सुबह का माहौल थोड़ा फीका पड़ जाता है। गुफा के प्रवेश द्वार से सूरज की रोशनी चमकने लगती है।

बेन्जी: (कहते हुए) उगते सूरज की रोशनी ने गुफा की दीवार पर एक छोटा सा घेरा बना दियामाँ ने कहा कि दीवारें चमक रही थीं क्योंकि पेड़ आने वाले मौसमों के लिए रो रहे थेमैंने अपना सिर हिलायाएक युवा बाघ क्या कर सकता था जब उसके माता-पिता, जिनके पास सभी सवालों के जवाब थे, भी इतने डरे हुए थेएक उज्ज्वल विचार, एक भयानक विचार, मेरे दिमाग में बनने लगा.

एसएफएक्स: बेनजी के कदम, धीमे और सोचे-समझे, गुफा की कठोर चट्टान पर.

बेन्जी: (अपने आप से, दृढ़ता से) क्या होगा अगर मैं अपने कबीले के लिए रहने की कोई नई जगह ढूंढ सकूं?माँ और पापा को नए बच्चे के आने तक एक चाँद यहीं रहना होगा. कबीले के लिए नया घर ढूंढने के लिए यह पर्याप्त समय होना चाहिए.

एसएफएक्स: बेनजी के पंजे अब घास वाली ज़मीन पर हैं। वह अपना सिर हिलाता है।

बेन्जी: (कहते हुए) मैंने डरने का फैसला नहीं किया। मैंनेमेरी नाक हवा की ओर लगी और मैंने विशाल जल की गंध सूंघीमेरी आंतरिक आत्मा ने मेरा मार्गदर्शन किया.

एसएफएक्स: जंगल का माहौल फीका पड़ जाता है। बेनजी के स्थिर कदमों और उसकी साँसों की एकमात्र ध्वनि। ऊँची घास की सरसराहट।

वर्णनकर्ता: वह बहुत देर तक चलता रहा, सूरज ऊँचा और चमकीला थाहर कदम बहुत भारी लग रहा थागर्मी असहनीय थी, और उसका मुँह सूखा और खुरदुरा था. उसका पेट भूख से गुड़गुड़ाने लगा.

SFX: पेट में गड़गड़ाहट। बेन्जी की भारी, कठिन साँसें।

बेनजी: (कहते हुए) अगली चढ़ाई पर भोजन होगामुझे पता है कि यह सच है। मुझे इस पर यकीन करना ही होगा। मेरा सिर थोड़ा नीचे झुक जाता है। फिर... मेरी नाक एक नई खुशबू को सूंघती है।पानी की ठंडी, नम खुशबू। मेरे पैर तेज़ी से चलने लगे।.

एसएफएक्स: कदमों की गति बढ़ती जाती है। पास में गिरते झरने की आवाज धीमी पड़ने लगती है, और तेज होती जाती है।

बेन्जी: (कहते हुए) मैं ऊपर की ओर संघर्ष करता हूँ और रुक जाता हूँ। यह क्या है? एक चमकता हुआ झरना।? मेरी आँखें एक छोटे से डर से चौड़ी हो जाती हैं. मुझे रंगों की एक विस्तृत पट्टी दिखाई दे रही हैरात के आसमान की तरह... ऑरोरा.

एसएफएक्स: झरना ज़ोर से गर्जना कर रहा है। झरने की आवाज़ों के ऊपर जादुई, अलौकिक झंकार बज रही है।

बेन्जी: (कहते हुए) मेरे पैर मुझे अपने करीब खींचते हैंखाने की गंध बहुत तेज़ हैएक और कदम, और मैं अपनी नाक पानी में डुबोता हूँयह ताज़ा और अद्भुत हैमीठा और ठंडा.

एसएफएक्स: बेन्जी पानी में छलांग लगाता है। झरना दहाड़ता है।

वर्णनकर्ता: अपनी नाक के नीचे, वह एक हलचल देखता हैएक जंगली सूअर, जिसका झबरा धूसर कोट रोशनी में चमक रहा था, पानी पीने के लिए आगे बढ़ता है. एक तेज़

पंजे से, बेंजजी जानवर को चट्टानों पर पटक देता हैउसके जबड़े का एक त्वरित झटका, और जानवर स्थिर हो जाता है. बेंजजी ने अपने भोजन के लिए देवी-देवताओं को धन्यवाद दिया, जैसा कि माँ ने उसे सिखाया था.

एसएफएक्स: एक तेज़, तीखी मार और चरमराहट की आवाज़। एक बड़े जानवर के खामोश हो जाने की आवाज़।

वर्णनकर्ता: एक विशाल त्सेंडेन वृक्ष की जड़ पर एक छोटे से कगार के पीछे खिसक कर, बेंजजी बैठ गया।उसने अपने पंजे और नाक चाटकर साफ़ कर लिएमांस अच्छा था और पानी मीठा थाधीरे-धीरे उसका सिर उसके पंजों पर आ टिका।जल्द ही, वह गहरी नींद में सो गया और सपना देखने लगारंग वापस आ गए थे, और अब उसकी आँखों के पीछे प्रकाश के चमकदार बिंदु नाच रहे थे. गहरी बंगाल टाइगर नींद ने उसे दूर कर दिया.

एसएफएक्स: कोमल, लयबद्ध श्वास। अलौकिक झंकार लौटती है और खामोशी में खो जाती है।

अंक II: मालाबार हॉर्नबिल

एसएफएक्स: लकड़ी की जड़ों पर धीरे-धीरे पानी का छींटा। पानी पर तैरती एक बड़ी जड़ की लयबद्ध चरमराहट।

वर्णनकर्ता: बेंजजी धीरे से जागा और उसने देखा कित्सेंडेन वृक्षजड़ हिल रही थी. अपनी आँखें रगड़ते हुए, उसने ऊपर देखा और अपनी साँस रोक लीवह कहाँ था? जैसे ही उसकी आँखें घूमीं, उसे सिर्फ़ पानी ही दिखाई दिया।पेड़ की जड़ एक बड़ी नदी के बीच में थी.

SFX: बेनजी की फुसफुसाहट। वह खड़ा है और जड़ के चारों ओर घूम रहा है.

बेनजी: (एक धीमी आवाज़ में) जहाँ तक मैं देख सकता था, वहाँ पानी के अलावा कुछ नहीं था।नमकीन आँसू मेरी आँखों में चुभ रहे थेमैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और याद करने की कोशिश की कि मैं यहाँ कैसे पहुँचाधीरे-धीरे मेरी आँखें उदास होकर खुलीं.

एसएफएक्स: पंखों के फड़फड़ाने की आवाज।

वर्णनकर्ता: एक बार, फिर दो बार देखते हुए, बेंजजी ने दूरी पर एक छोटा, काला पक्षी देखा।उसने ऐसा प्राणी पहले कभी नहीं देखा था। वह एक था मालाबार हॉर्नबिल, जड़ की शाखाओं में सोया हुआ.

एसएफएक्स: बेनजी के सतर्क कदम। एक टहनी टूटती है।

हॉर्निल: (चिल्लाते हुए, चौंकते हुए)

बेन्जी: (चौंककर गुर्राते हुए, वह थोड़ा पीछे हट जाता है)

एसएफएक्स: हॉर्नबिल अपने पंख फड़फड़ाता है और जड़ के एक ऊंचे स्थान पर उतरता है.

कथावाचक: बेंजजी पीछे हटने की कोशिश में गिर पड़ेदोनों जीव एक दूसरे को गौर से देख रहे थे, थोड़ा डरे हुए।हॉर्नबिल अचानक चीखने लगा, और किसी कारण से, बेंजजी इसे समझ सकता था.

हॉर्नबिल: (गर्व भरी, स्पष्ट आवाज़ में) आप मुझे 'हॉर्नबिल' कह सकते हैं, लेकिन मेरा

पूरा नाम कश्यप है। मैं प्राचीन हॉर्नबिल वंश का हूँ।

बेन्जी: (जितना हो सके उतना लंबा खड़ा होकर)) मैं हूँ बेंजजी, बंगाल टाइगर. यह मेरी जादुई त्सेंडेन जड़ें हैं.

कथावाचक: और इस तरह, बेंजजी ने बात करना और अपनी कहानी सुनाना शुरू किया.

बेन्जी: (कहते हुए) मैंने उसे अपने सपनों के बारे में बताया, पूर्वजों की आवाज़ें जिन्होंने मुझे परिवर्तन के बारे में बतायामैंने उससे पूछा कि क्या वह जानता है कि यह क्या है?

हॉर्नबिल: (अपने काले और सफेद पंखों को पास खींचते हुए)) मेरे भी वही सपने हैं. पुराने लोगों की आवाज़ें मुझसे एक स्वर में बात करती हैंवे कहते हैं कि हमारी धरती माता कितनी अच्छी है, लेकिन हमें उसकी भावनाओं और उसके आश्चर्यों के साथ बदलना होगा।जीवित रहने के लिए, हमें एक साथ अनुकूलन करना होगा.

बेन्जी: (कहते हुए) उसने बोलना बंद कर दिया और खाली क्षितिज की ओर देखने लगामुझे गहरा दुःख हुआ, क्योंकि वह मेरे डर को समझता था।

एसएफएक्स: हॉर्नबिल के पंख फैलाने की आवाज.

हॉर्नबिल: (कर्तव्य भाव से भरी आवाज़ में) मेरा कबीला नए घोंसले बनाने के लिए उड़ रहा है। बदलाव ने हमारे पुराने घोंसलों को असुरक्षित बना दिया है। हमें मिलकर काम करने का कोई रास्ता ढूँढ़ना होगा, अपनी पुरानी समस्याओं को भुलाकर एक नया घर ढूँढ़ना होगा।. मजबूत बनो, युवा बाघ.

एसएफएक्स: हॉर्नबिल के पंख फड़फड़ाने की आवाज़ के साथ फड़फड़ाते हैं। वह उड़ जाता है।

वर्णनकर्ता: तुरन्त ही, हॉर्नबिल आकाश के किनारे की ओर उड़ गया, दूरी में एक छोटा सा धब्बा।बेंजजी को अकेलेपन का दुःख हुआ और वह धीरे-धीरे रोने लगी।. भूख से उसका पेट मुड़ गया, और जल्द ही प्रकाश कम हो गया, क्योंकि वह पेड़ की जड़ पर आराम कर रहा थानींद ने उसे जकड़ लिया और वह फिर से सपने देखने लगा.

एसएफएक्स: पानी धीरे-धीरे लहरा रहा है। जड़ की चरमराहट। बेनजी की धीमी साँसें। सन्नाटा छा जाता है।

अंक III: भूटान की महिमा

एसएफएक्स: जड़ से टकराती कोमल लहरें। एक मधुर पक्षी गीत की ध्वनि।

वर्णनकर्ता: जैसे-जैसे उस दिन प्रकाश ऊपर बढ़ता गया, बेंजजी को लगा कि उसका पेड़ जड़ने वाला द्वीप लुढ़क रहा हैचारों ओर पानी ही पानी था, ज़मीन नहीं थीउसके शरीर के मध्य भाग से भूख से आवाज आईवह अपनी त्सेंडेन जड़ों के चारों ओर धीरे-धीरे चला

एस.एफ.एक्स.: अचानक छींटे पड़ने की आवाज, उसके बाद और अधिक छींटे पड़ने की आवाज।

कथावाचक: अचानक उसे एक मछली दिखाई दी। नहीं... एक से ज़्यादा मछलियाँ... दो, तीन, चार मछलियाँ! सारी मछलियाँ उसके पैरों पर आ गिरीं।. अपने मुंह को पकड़कर, बेंजजी ने एक शानदार भोजन किया, और उसका मध्य भाग शांत था.

एसएफएक्स: त्वरित स्वैट्स और बेन्जी के खाने की आवाज।

वर्णनकर्ता: उसने अपने बालों को जीभ से सहलाया और मछली देवताओं को उनकी मदद और भोजन के लिए मौन धन्यवाद दिया।. जैसे ही उसने ऐसा किया, उसकी नज़र उसके सिर के ऊपर रंग की एक झिलमिलाहट पर पड़ी. जैसे ही वह खड़ा हुआ, उसने रंग घूमते देखा.

एसएफएक्स: पंखों की हल्की फड़फड़ाहट, बहुत करीब।

बेन्जी: (थोड़ा डरते हुए, बताते हुए) मैं अपनी तरफ मुड़ा और एक हल्के रंग का फ्लायर देखामैं डर के मारे पीछे हट गयायह ऐसा प्राणी नहीं था जिसे मैंने पहले कभी देखा थायह एक तितली थी।

एसएफएक्स: तितली के पंख धीरे-धीरे फड़फड़ा रहे हैं।

भूटा: (हल्की, संगीतमय आवाज) मेरे रंगों से मत डरोमेरे सभी कबीले मेरे जैसे हैं। मैं भूता हूँ, एकभूटान ग्लोरी तितलीमैं पूरे दिन यहां उड़ता रहा और मुझे ये त्सेंडेन जड़ें मिलींतुम किस तरह के उड़ने वाले हो? मैंने अपने जंगल में तुम्हारे जैसा कोई नहीं देखा।.

बेन्जी: (थोड़ा उलझन में) मैं फ़्लायर नहीं हूँ। मैं बेन्जी हूँ। मैं बंगाल टाइगर हूँ।और ये है मेरी जादुई त्सेंडेन जड़ेंमैं अपने कबीले के लिए एक नया घर ढूंढ रहा हूँबदलाव आ रहा है और हमें जल्द ही अपना घर छोड़ना होगा.

भूटा: (उसकी आवाज़ धीमी और उदास हो जाती है) हमारे घर में भी यही होता है. मेरा समुदाय दुखी है कि हमें अपना घर छोड़ना पड़ रहा हैलेकिन अब खाना नहीं है, और पानी भी बहुत अलग है.

वर्णनकर्ता: वे बहुत देर तक बातें करते रहे. फिर, बेंजजी ने एक प्रश्न पूछा.

बेनजी: (कहते हुए) तुमने मुझे इतने पानी में कैसे ढूंढ़ लिया??

भूटा: (उसकी आवाज़ खुशनुमा हो जाती है) आपकी जादुई त्सेंडेन जड़ें अपने पीछे एक निशान छोड़ जाती हैंयह रंगों का एक जादुई फैलाव है जैसा कि हम अपने घर के जंगल के पानी में देखते हैं.मैंने बस यह देखने के लिए निशान का अनुसरण किया कि यह कैसे बना, और आप यहाँ हैं!

वर्णनकर्ता: बेंजजी और भूटा रुके और आराम कियाबेंजजी ने अपने नए दोस्त से पूछा

बेन्जी: क्या हम नए दोस्त बन सकते हैं, भले ही हम पहले जैसे न हों??

भूटा: (धीरे से) बिल्कुल! अब हम दोस्त हैं, बेनजी!लेकिन मुझे अपने परिवार को हमारी बातचीत के बारे में बताना होगा, और अपने दोस्तों के साथ 'परिवर्तन' क्या है, यह साझा करना होगा।.

एसएफएक्स: भूटा के पंख फड़फड़ा रहे हैं। वे एक छोटी, दूर की आवाज़ में बदल जाते हैं।

कथावाचक: बेंजजी बैठी है और देख रही है कि उसके रंगीन पंख एक छोटे से काले धब्बे में बदल रहे हैंइतने लंबे दिन के बाद, वह त्सेंडेन की जड़ों पर दीवार से धीरे-धीरे नीचे फिसलता हैइससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, वह गहरी नींद में सो जाता है और सपने फिर से शुरू हो जाते हैं।.

एसएफएक्स: अलौकिक, बहुस्तरीय

आवाजें,

लुप्त होते जा रहे हैं। वे हैं

पूर्वजों की आवाजें.

पूर्वज: (प्राचीन, गहन ज्ञान की आवाज़) मैं उन सभी की आवाज़ हूँ जो आपसे पहले आए हैंपरिवर्तन आ रहा है और सभी प्राणियों को इसके अनुकूल ढलना होगा।. आप अपने साहसिक कार्य में कई नए दोस्तों से मिलेंगेउनके शब्द आपके लिए वैसे ही अर्थपूर्ण होंगे जैसे आपके शब्द उनके लिए होंगे[1]धरती माँ ने हमेशा अपने दोस्तों का

ख्याल रखा हैयह बदलाव उसके परिवार का हिस्सा हैअब डरने की कोई जरूरत नहीं हैपरिवर्तन सार्वभौमिक है और सभी प्राणियों के लिए अच्छा है। हम आपको अनुकूलन का मार्ग खोजने में मदद करेंगे।. आप जो भी सीखें उसे अपने सभी नए दोस्तों के साथ साझा करें.

एसएफएक्स: आवाज धीमी और धीमी हो जाती है, धीरे-धीरे धीमी हो जाती है.

वर्णनकर्ता: बेंजजी धीरे-धीरे पलटती है और गहरी नींद में चली जाती हैसूरज आकाश की रेखा पर पानी के नीचे डूबता है, और जादुई त्सेंडेन जड़ें धारा के साथ चलती हैं. यह बेंजजी को उसके अगले रोमांचक अनुभव की ओर ले जाता है.

एसएफएक्स: पानी की हल्की-हल्की लहरें। बाघों की गहरी, लयबद्ध साँसों की आवाज़। सन्नाटा छा जाता है।

यह कहानी पीसप्रेन्यूरिंग इनक्यूबेटर द्वारा संभव हुईhttps://bit.ly/m/pièce-de-résistance-2023